PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Tuesday 1st April 2014, Page: 14
Width: 8.39 cms, Height: 13.33 cms, a4, Ref: pmin.2014-04-01.36.85

'क्रिसमस डिजीज' की दवा को मंजूरी

हीमोफीलिया-बी मे ब्लीडिंग को रोकेगी

■ **सुरेश उपाध्याय, नई दिल्ली**

अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने पहली बार हीमोफीलिया-बी से निपटने के लिए एक दवा को मंजूरी दी है। इस रोग को 'क्रिसमस डिजीज' के नाम से भी जाना जाता है। इसकी वजह यह है कि दुनिया में स्टीफन क्रिसमस नाम के एक शख्स में पहली बार इस बीमारी के लक्षण मिले थे। इस दवा को मंजूरी मिलने से भारत में भी हीमोफीलिया-बी पेशंट को फायदा होगा। अमेरिका की ही तरह भारत में भी काफी लोग इससे प्रभावित हैं।

एफडीए ने इस रोग से निपटने के लिए एलप्रोलिक्स नाम की दवा को मंजूरी दी है। इसे कुछ खास किस्म के प्रोटीन की मदद से तैयार किया गया है। हीमोफीलिया-बी के शिकार व्यक्ति में खून का बहना नहीं रुक पाता। इसकी वजह फैक्टर-9 नाम के एक जीन में बदलाव आना होता है। इसके शिकार शख्स में ब्लीडिंग को रोकना एक बड़ी चुनौती होता है। चोट लगने या सर्जरी की हालत में उसे लगातार विटामिन के इंजेक्शन देने पड़ते हैं। इसके साथ ही अन्य कारणों से होने वाली ब्लीडिंग को रोकना भी एक बड़ा चैलेंज होता है। ऐसे लोगों के जोड़ों से अगर ब्लीडिंग होने लगे, तो जोड़ों के खराब होने की आशंका पैदा हो जाती है। महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में हीमोफीलिया-बी का ज्यादा असर देखा गया है।

एलप्रोलिक्स में मौजूद प्रोटीन की मदद से खून के जमने की प्रक्रिया को दुरुस्त किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर इसे भी विटामिन के इंजेक्शन की मदद से देना पड़ता है, लेकिन ज्यादा प्रभावी होने के कारण इसके अधिक इंजेक्शन देने की नौबत नहीं आती।